132वां उन्मुखी कार्यक्रम शुरू

शिमला, 22 अप्रैल (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के यू.जी.सी. मानव विकास संसाधन केंद्र में सोमवार को 132वां उन्मुखी कार्यक्रम शुरू हुआ। इस उन्मुखी कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के डीन ऑफ स्टडीज प्रो. अरविंद कालिया ने किया। प्रो. अरविंद कालिया ने शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान चुनौतियां और शिक्षकों के बदलते कर्त्तव्यों पर प्रकाश डाला और एक अच्छे शिक्षक में क्या–क्या अनिवार्य विशेषताएं रहनी चाहिए, पर अपनी बात को रखा।

तीन हफ्ते तक चले भौतिक विषय के पुनश्चर्या कार्यक्रम संपन्न

शिमला | हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी के यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र में तीन सप्ताह तक चले भौतिक विषय के पुनश्चर्या कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया। समापन सत्र में डॉ. अमरजीत शर्मा निदेशक उच्च शिक्षा हिमाचल प्रदेश सरकार मुख्य अतिथि थे और डॉ. आरके कोटनाला, वरिष्ठ वैज्ञानिक, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (एनपीएल न्यू दिल्ली) विशिष्ठ अतिथि थे। कार्यक्रम में केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात,राजस्थान, उत्तराखंड, दिल्ली, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश आदि 11 राज्यों से 31 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

शिमला : प्रदेश विश्वविद्यालय में आयोजित पुनश्चर्य कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि उपस्थित उच्च शिक्षा निदेशक डा. अमरजीत सिंह का स्वागत करते शिक्षक

डा. कोटनाला ने हाईड्रो-इलैक्ट्रिक सैल की जानकारी सांझा की

भौतिक विषय पर आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम सम्पन्न

शिमला, 30 मार्च (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय स्थित यू.जी.सी.-मानव संसाधन विकास केंद्र में 3 सप्ताह तक चले भौतिक विषय के पुनश्चर्या कार्यक्रम के समापन अवसर पर राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला से आए वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. आर.के. कोटनाला व डा. ज्योती शाह ने अपने अभिनव अविष्कार हाईड्रो-इलैक्ट्रिक सैल की जानकारी सभी प्रतिभागियों के साथ सांझा की। शनिवार को कार्यक्रम के समापन अवसर पर उच्च शिक्षा निदेशक डा. अमरजीत शर्मा बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए और राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला से आए वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. आर.के. कोटनाला विशिष्ट अतिथि थे। डा. आर.के. कोटनाला ने इस दौरान कहा कि भौतिक विज्ञान एक मूल विज्ञान है, जिसका उपयोग विज्ञान की अन्य शाखाओं जैसे कि रसायन, जीव विज्ञान व भूगोल में भी किया जाता है।

शिमला : हि.प्र. विश्वविद्यालय में एच.आर.डी.सी. द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते मुख्य वक्ता। (नरेश)

उन्होंने पुरानी यादों का स्मरण करते हुए कहा कि इस केंद्र द्वारा करवाए गए पहले पुनश्चर्या कार्यक्रम में वो प्रतिभागी थे और आज 310 तक यह संख्या पहुची है। इस दौरान मुख्यातिथि, विशिष्ट अतिथि और मानव संसाधन विकास केंद्र निदेशक ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड, दिल्ली, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश आदि 11 राज्यों से 31 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

भौतिक विषय पर अविष्कारों पर हुई चर्चा

शिमला। यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र के तहत पविश्वविद्यालय में 3 सप्ताह तक चले भौतिकविषय के पुनश्चर्या कार्यक्रम का समापन हो गया। समापन सत्र में डा. अमरजीत शर्मा, निदेशक, उच्च शिक्षा, हिमाचल प्रदेश सरकार मुख्य अतिथि थे। डॉ आरके कोटनाला, वरिष्ठ वैज्ञानिक, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला(एनपीएल, न्यू दिल्ली) विशिष्ठ अतिथि थे। कार्यक्रम में केरल, तमिलनाडू, कर्नाटक, गुजरात, राजस्थान, उत्तराखण्ड, दिल्ली, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश आदि 11 राज्यों से 31 प्रतिभागी उपस्थित रहे। इस केन्द्र द्वारा आयोजित किये जाने वाला यह 310वॉ पुनश्चर्या कार्यक्रम था जिस के समापन में विभिन्नता में एकता की झलक एक ही मंच से देखने को मिली। प्रतिभागियों में से ही डा. बलबीर पटियाल द्वारा मंच संचालन किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुआ। केन्द्र के निदेशक प्रो डीडी शर्मा ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ठ अतिथि का स्वागत पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर किया। आचार्य किरण रेखा ने प्रतिभागियों द्वारा दी गई फीडबैक को प्रस्तुत करते हुए आगामी सत्र में प्रतिभागियों की अपेक्षा पर खरा उतरने का भरोसा दिया। विशिष्ठ अतिथि के रूप में राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला से आए वरिष्ठ वैज्ञानिक डा आरके कोटनाला और उनकी सहयोगी डा ज्योती शाह ने अपने अभिनव अविष्कार हाइड्रो-इलैक्ट्रिक-सैल की जानकारी सभी प्रतिभागियों के साथ सांझा की।